No. of Printed Pages : 8

EEC-19

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

00131

December, 2015

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

EEC-19 : INDIAN FINANCIAL SYSTEM

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any **five** questions, **two** from Section A in about **400** words each; **two** from Section B in about **300** words each. Question no. **9** is **compulsory** and to be answered in about **150** words.*

SECTION A

1. Explain the relationship between financial development and economic development. How does liberalisation contribute to financial development ? *6+6=12*

2. Examine the relative role of domestic commercial banks and foreign commercial banks in the process of economic development of the country. *12*

3. What are Open Market Operations (OMO) ? Who conducts these and why ? Are they effective instruments of monetary control ? *2+4+6=12*

4. Examine the present state of Money Market in India. Also throw light on the Liquidity Adjustment Facility extended by the Reserve Bank of India. *6+6=12*

SECTION B

5. Examine the role of SEBI as the regulator of the financial system in India. *8*

6. "Treasury bills are an important Money Market instrument." Explain. *8*

7. "Reserve Bank of India enjoys a unique position in the Indian financial system." Explain. *8*

8. Are mutual funds necessary intermediaries between investors and the issuer companies in the present circumstances ? Explain. *8*

SECTION C

9. Write short notes on any ***three*** of the following : *10*

(i) Insider Trading

(ii) Benefits of On-Line Trading

(iii) Coupon Rate

(iv) New Private Sector Banks

(v) Non-Performing Assets

ई.ई.सी.-19

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र
ई.ई.सी.-19 : भारतीय वित्तीय व्यवस्था

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, खण्ड क से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए जिनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में हो; खण्ड ख से **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए जिनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में हो । प्रश्न संख्या **9** **अनिवार्य** है और उसका उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए ।*

खण्ड क

1. वित्तीय विकास एवं आर्थिक विकास के बीच सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए । उदारीकरण किस प्रकार वित्तीय विकास को बढ़ाने में योगदान देता है ? *6+6=12*

2. किसी देश की आर्थिक विकास की प्रक्रिया में विदेशी वाणिज्य बैंकों तथा घरेलू वाणिज्य बैंकों की सापेक्ष भूमिका का परीक्षण कीजिए । *12*

3. खुले बाज़ार की क्रियाएँ (ओ.एम.ओ.) क्या हैं ? इन क्रियाओं का संचालन कौन करता है और क्यों ? क्या ये मौद्रिक नियंत्रण के प्रभावी संयन्त्र हैं ? *2+4+6=12*

4. भारत में मौद्रिक बाज़ार की वर्तमान स्थिति का परीक्षण कीजिए । भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा शुरू की गई तरलता समायोजन सुविधा पर भी प्रकाश डालिए । *6+6=12*

खण्ड ख

5. भारत में वित्तीय व्यवस्था के नियामक के रूप में सेबी की भूमिका का परीक्षण कीजिए । *8*

6. "ट्रेज़री बिल्स मुद्रा बाज़ार के महत्त्वपूर्ण संयंत्र हैं ।" व्याख्या कीजिए । *8*

7. "भारतीय वित्तीय व्यवस्था में रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया एक अद्वितीय स्थान रखता है ।" व्याख्या कीजिए । *8*

8. वर्तमान परिस्थितियों में क्या निवेशकों तथा निर्गमनकर्ता कम्पनियों के बीच पारस्परिक निधियाँ (म्यूचुअल फण्ड्स) आवश्यक बिचौलिए हैं ? व्याख्या कीजिए । *8*

खण्ड ग

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *10*

(i) अन्तरंगी कारोबार

(ii) ऑन-लाइन ट्रेडिंग के लाभ

(iii) कूपन दर

(iv) नए निजी क्षेत्र बैंक

(v) ग़ैर-निष्पादित सम्पत्तियाँ (Non-Performing Assets)